राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 250
नागराज और
लाल मौत
मुफ्त

नागराज और लाल मौत

लेखक : तरुणकुमार वाही
सम्पादक : मनीष चन्द्र गुप्त
कलानिर्देशक : प्रताप मुळीक
चित्र : चंदू
सुलेख : पुष्पा पालवणकर

दुबई! संयुक्त अरब अमीरात के सात प्रान्तों में से एक- समुद्र से घिरा एक समृद्धशाली द्वीप—
दुबई! अपने भीतर तेल के अम्बार समेटे खाड़ी देशों का एक गौरव, जिसका शासन वहां के अमीर अल बुखारी के हाथों में था—
अमीर अल बुखारी की इकलौती पुत्री! जो अपने वालिद के साथ सक्रिय रूप से राजनीति में प्रवेश कर चुकी थी—
यूसुफ बिन अली खान—उर्फ YBAK
हैल्लो! मुझे कहते हैं यूसुफ बिन अली खान!
यूसुफ बिन अली खान अंतर्राष्ट्रीय शातिर अपराधी! दुनिया भर में उसका जालसाजी की खानों, सोनों व बेशकीमती हाथी दांत का अवैध व्यापार चलता था—
अमीर अल-बुखारी की हत्या कर•••

••• यूसुफ बिन अपीस्वान ने तुबई की सत्ता ली थी–
आज से मैं हूं तुबई का नया अमीर!

जबकि रूखसा एक संकट कालीन बंकर में जा छिपी थी–
मैं तुझे चैन की सांस नहीं लेने दूंगी शैतान हत्यारे यूसुफ!

सत्ता परिवर्तन के पश्चात अपने विरोधियों को समाप्त करने के बाद यूसुफ को तलाश थी रूखसा की–
मुझे रूखसा चाहिए! जिन्दा या मुर्दा!

यूसुफ का आतंक मौत के सायरन के रूप में जब गूंजता तो शहर में कर्फ्यू लग जाता और–

मौत का काफिला यूसुफ के विरोधियों को रौंदने चल पड़ता–

नागराज को इतना सब बताकर कोल्ड ड्रिंक वाला खामोश हो गया–

धन्यवाद दोस्त! तुमने मुझे यूसुफ के बारे में बहुत जानकारी दी।

धन्यवाद कैसा नागराज, तुम भी तो हमें यूसुफ बिन से निजात दिलाने दुबई आये हो।

दुबई शहर की एक सड़क पर–

नागराज! मैं मुसीबत में हूं! मुझे तुम्हारी मदद चाहिए–अपनी मौत से पहले! तुम्हारे इंतजार में–– —रुखसाना

रुखसाना? ओह तो इसे भी पता चल गया कि मैं दुबई आ चुका हूं!

जगह-जगह मेरे नाम के पोस्टर लगे हैं! मुझे रुखसाना को ढूंढकर उसकी मदद करनी होगी!

अचानक एक तेज सायरन के साथ भगदड़ मच गई –

साय रन

आज फिर किसी की मौत आ गई है।

देखते ही देखते सारे बाजार में सन्नाटा छा गया—
इसका मतलब यूसुफ बिन अली खान को रूपसा खातून का पता मिल गया है।

नागराज चौंक पड़ा—
धूल का गुब्बार! मौत का काफिला निकट आ रहा है। मुझे किसी तरह इस दस्ते में शामिल होना होगा।

तीन टैंक धड़धड़ाते हुए उसके सामने से गुज़रे—
नागराज तुम्हारी रक्षा अवश्य करेगा रूपसा

टैंकों के पक्की सड़क से रेत के मैदान में आते ही धूल ही धूल छा गई—

और इस धूल का लाभ उठाती नागरस्सी—

* बंकर: जमीन में कई मीटर नीचे कंक्रीट से बना बेहद सुरक्षित व मजबूत निवास।

Y BAK कमांडर का वायरलैस संदेश—
सावधान! आगे बारूदी सुरंगें हैं। पोजीशन लो।
Y B A K FORCE

उसी समय बंकर में बीस मीटर नीचे—
मैडम! बारूदी सुरंग ने Y BAK फोर्स के एक टैंक को उड़ा दिया है।
!!

उनके दोनों टैंक तथा फौजी पोजीशन ले रहे हैं।
यह हमारे लिए खतरनाक है। अगर उन्होंने गोलाबारी की तो ये बंकर बचेगा नहीं।

तभी एक चेतावनी प्रसारित होने लगी—
रुपषा! हम जानते हैं कि तुम इस बंकर में छिपी हो। मेरे तीन गिनने तक अपने आपको हमारे हवाले कर दो...।

...अन्यथा अपनी मौत की जिम्मेदार तुम खुद होगी!
इन्हें मेरे यहां होने की जानकारी कैसे हुई?

मिस्टर मंसूर! तीन की गिनती से पूर्व ही इन्हें जवाब देना होगा।

दुश्मन के आगे झुकने से रुएबा मर जाना पसन्द करेगी।

मेजर! यह क्या किया आपने?
इमरजेंसी ब्लास्ट लीवर ऑन कर दिया? बीस मिनट बाद यह बंकर धमाके के साथ उड़ जाएगा!

उधर देखो! टैंकों की नालियों का रुख बंकर की तरफ मुड़ गया है! हम चारों तरफ से घिर चुके हैं!

आह! नागराज! तुमने आने में देर कर दी! अब शायद रुएबा खातून तुमसे कभी न मिल पायेगी!

सबकी आतंकित निगाहें टी.वी. स्क्रीन पर चिपकी थीं...

तीन

और उस समय सबकी आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं—

रुएबा के कंठ से विस्मयकारी चीख उबल पड़ी—
ना००० नागरस्सी या००० यह तो नागरस्सी है! नागराज आ गया!

एकाएक नली के मुहाने से गोला एक भीषण धमाके के साथ नली में ही फट गया—
धड़ाम

नागराज व रुखसाना सुनहरी एक टीले पर खड़े थे–
रुखसाना! यूसुफ बिन अली खान का काफी नुकसान कर दिया है तुमने!
नागराज! मैं उसकी मौत भी देखना चाहती हूं। तभी मुझे चैन मिलेगा!

लेकिन एक बात मेरी समझ में नहीं आई रुखसाना कि यूसुफ को तुमसे क्या खतरा हो सकता है!
सत्ता छिन जाने का खतरा!

अरब की धरती पर वह दुबई का अमीर अरब शेख है, लेकिन लोग उसके बारे में सब कुछ जानते हैं। एक खूंखार अपराधी अगर देश की बागडोर संभालेगा तो जनता में भय व विरोध तो फैलेगा ही।
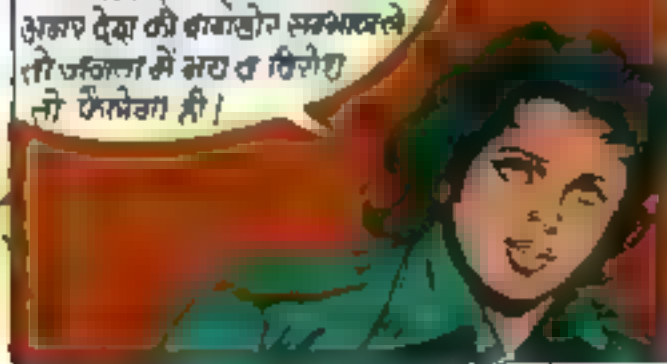
तुम भी तो यूसुफ की ही तलाश में दुबई आए हो। क्योंकि तुमने विश्व से आतंकवाद को समाप्त करने की कसम खाई है।

और जैसे ही मुझे पता चला कि तुम दुबई में आए हो मैंने पोस्टर वाली योजना बनाई थी। मुझे विश्वास था कि रात ही रात में जगह-जगह लगाए गए इन पोस्टर्स की खबर तुम तक अवश्य पहुंचेगी।
और तुम्हारा अनुमान ठीक निकला।

रेत का फायदा उठा कर हम आसानी से शहर में प्रवेश कर सकते हैं रूखा।
शहर सामने है नागराज!

आज की रात तो हम किसी होटल में बितायेंगे। क्योंकि यूसुफ बिन अली खान को समाप्त करने के बाद दुबई की बागडोर मैं तुम्हें सौंपना चाहता हूं।

अचानक किसी तेज शोर सुनकर दोनों की आंखें खुलीं—
यूसुफ बिन अली खान
मुर्दाबाद
रूखा के हत्यारे
गद्दी छोड़ो

लगता है बंकर ध्वस्त करने के बाद यह खबर फैला दी गई है कि मैं मारी गई हूं।
ओह!

इस जन आक्रोश को देखते हुए तुम्हें दुबई की गद्दी सौंपने का मेरा निर्णय कुछ गलत नहीं था।

तभी मौत का सायरन फिजां में गूंज उठा—
नागराज! इस विरोध को कुचलने के लिए YBAK फोर्स आ रही है।

फौज ने भीड़ को चारों तरफ से घेर लिया—
नागराज! इनमें से एक विरोधी की भी जान नहीं जानी चाहिए।
यूसुफ बिन अली खान मुर्दाबाद

भून डालो इन
गद्दारों को!
लेकिन इससे पूर्व कि एक भी गोली चल पाती —
सांप!
ये सांप तो
नागराज के ही हो
सकते हैं।
नागराज
नागराज

यूसुफ बिन उस्मी खान के बाद मैं गद्दी रुख्सा खातून को सौंपना चाहता हूं! क्या ये आपको मंजूर है?
रुख्सा! लेकिन उसे तो उस हत्यारे ने...
रुख्सा जीवित है! वह देखो!
शोर मच गया —
नागराज! तुम बच नहीं सकते! Y.B.A. तुम्हें कुत्ते की मौत...
इसे हमारे हवाले कर दो नागराज! पहले हम इसे कुत्ते की मौत मारेंगे!
हां, हां इसे हमारे हवाले कर दो!
मुंह से नीला झाग! ओह, इसने खोखले दांत में छिपा सायनाइड कैप्सूल चबा लिया है!

यह तो मर गया।

राएबा नागराज के निकट पहुंच गई —
नागराज! इसने यातना व पीड़ा से बचने के लिए खुदकुशी कर ली है।
खुदकुशी तो हर उस इन्सान को करनी है जो यूसुफ का साथ दे रहा है।

फिर —
दोस्तो! मैं उस शैतान यूसुफ बिन अली खान को समाप्त करने जा रहा हूं...
...और आपको यकीन दिलाता हूं कि अमन का वह दुश्मन कल का सूर्योदय नहीं देख सकेगा।

नागराज! यूसुफ बिन अली खान तक पहुंचने के लिए हमें 'लाल मौत' को पार करना होगा।
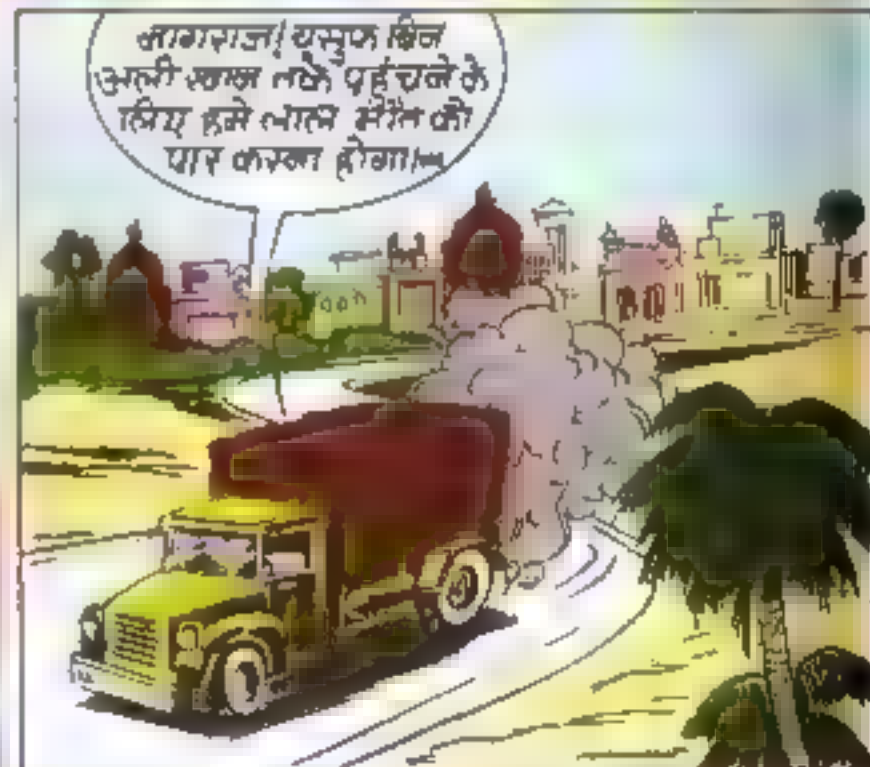
...उसके किले के बाहर कदम-कदम पर वह मौत छिपी हुई है।...
...मैं तुम्हें वहां तक पहुंचा सकती हूं। बाकी का काम तुम्हारा होगा।

आधे घण्टे बाद राएबा ने ट्रक रुकवाया —
नागराज! तेल की ये सारी मिल्कियत मुल्क की अमानत है जिसे अब यूसुफ बिन अली खान ने अपनी निजी सम्पत्ति घोषित कर दिया है।

और यहां से आरम्भ होती है लाल मौत।
और उस किले में है फोर्स का नेता यूसुफ बिन अली खान।

नागराज ने अपने रक्षक रेगिस्तान में छोड़ दिये –
यहां हमें केवल फूंक-फूंककर आगे बढ़ना होगा नागराज।
मेरे अंगरक्षक बारूदी सुरंगों का पता लगा लेंगे।

हमें इनके पीछे रहना होगा।

सांपों का पीछा करते दोनों आगे बढ़ते गए –
बारूदी सुरंगों जैसी तो यहां कोई चीज नहीं दिखती।

अचानक –
हुर्र्र्ऽऽऽऽ
हिस्स

पलक झपकते के साथ ही नागराज ने अपने तीनों अंगरक्षकों को मरता पाया –
उफ! यह क्या बला थी!
नागराज! यही थी लाल मौत!

गड़ गड़ गड़
हेलीकॉप्टर

हा हा हा! नागराज! रूपा! मेरे तीनों शिकार आज मेरी मुट्ठी में हैं। हा हा हा!
यूसुफ बिन अली साब!

नागराज! तुम लाल मौत के घेरे में आ तो पहुंचे हो। लेकिन यहां से जिन्दा बच कर नहीं जाओगे।

लाल मौत कदमों की आहट पर झपटती है और अपने शिकार को तड़पने का भी मौका नहीं देती।

तुम चूहे की तरह फंस गये हो! हा हा हा! अगर अपने स्थान से हिलोगे तो लाल मौत का शिकार हो जाओगे...

...नहीं हिलोगे तो मेरे इन बमों का! हा हा हा
नागराज! बम ऽऽ

उफ! पीछे छोड़ते ही लाल मौत मुझ पर भी आक्रमण करेगी।

हैलीकॉप्टर एक झटके के साथ रेत में आ धंसा—

मौत ने एक झटके के साथ बाहर निकलकर हैलीकॉप्टर को दबोचा—

उधर यूसुफ बिन अली खान हर खतरे से टकराने के लिए तैयार था—
सतह से टकराने से पूर्व मुझे स्टेनगन नीचे फेंकनी होगी।

हल्की सी आहट भी मौत को निमंत्रण देता था—

यूसुफ बिन अली खान जैसे ऐसे पल के इंतजार में था—

धमाके के साथ ही यूसुफ बिन अली खान जमीन पर आ टपका—
नागराज! अब तुझे दुनिया की कोई ताकत मौत से नहीं बचा सकती।

उसने बम नागराज की तरफ उछाल दिया—
नागराज! बचो!

नागराज! बम!
इस बम को रोकना होगा!

ठीक इसी पल —
उफ! यह क्या?
लाखा मारे हैरत के चीख पड़ी —
नागराज!
नागराज!
नागराज लाल मौत के पंजों से बच निकला... नहीं! ये नहीं हो सकता, कभी नहीं!
नागरस्सी पर चढ़ता हुआ नागराज यूसुफ तक जा पहुंचा —
यूसुफ बिन अली खान! तेरी लाल मौत नागराज का विष पचा नहीं पाई!
नहीं!

उस समय हेलीकॉप्टर उन्हें लेकर अथाह समुद्र पर मंडराने लगा था।
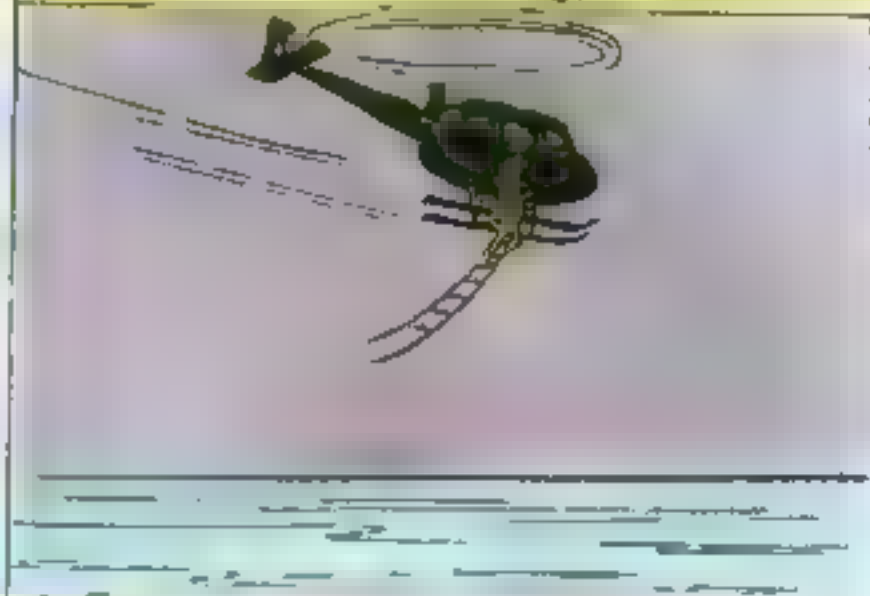
और अब यहां भारत सैना का भी कोई खतरा नहीं है। तुम्हें मारने में मुझे आसानी होगी।

विश्व शांति के लिए तेरा अंत आवश्यक है शैतान!

ओह, यह क्या ? तेल की बौछार !

हा हा हा ! अब तुम तेल से सराबोर हो ! सिर्फ एक गोली तुम्हें राख का ढेर बना देगी !

??
यूसुफ के रिवॉल्वर ने शोला उगला —
हा हा हा ! कल के समाचार-पत्रों में छपेगी राजा की मौत की खबर !

लेकिन नागराज वहां कहां था।
वह तो यहां था, चलती लिफ्ट के नीचे लटका हुआ—
अरे! कहां गया!

नागराज!

यूसुफ ने रिवॉल्वर सीधा किया। लेकिन
धड़ाक

आह

यूसुफ अपने रिवॉल्वर पर झपटा। किन्तु —
धड़
नहीं
नागराज की शक्तिशाली ठोकर—

गिरते ही यूसुफ ने अपना अंतिम हथियार बाहर निकाल लिया और गरज पड़ा—

खबरदार! खबरदार! नागराज! मेरे हाथ में बम है!

हा हा हा हा! मैं जानता हूँ नागराज कि अब तुम मुझे जीवित नहीं छोड़ोगे! लेकिन मेरे साथ-साथ इस तेल कुएं सहित तुम भी नहीं बचोगे! हा हा हा!

समुद्र में चारों तरफ आग फैल गई —

ऊपर यह सारा खूनी तमाशा देखा रूपा ने जिसने यूसुफ के समुद्र में गिरने के बाद हैलीकॉप्टर चालक को समुद्र किनारे हैलीकॉप्टर उतारने के लिए मजबूर कर दिया था —
उफ! नागराज! यह क्या हो गया!

शीघ्र ही रूपा प्रसन्नता से भरी चीख पड़ी —
नागराज! नागराज एक बार फिर मौत को धोखा देने में कामयाब हो गया!

ओह! नागराज! तुम अद्भुत मानव हो!

रूपा! जालिम यूसुफ अली खान अपनी ही लगाई आग में जल मरा!
ओह नागराज! आज मैं बेहद खुश हूं! बेहद खुश!

मुद्रक: जापान आर्ट प्रैस